D.El.Ed 2nd Sem  
18 May 2020  
Monday

## महात्मा गाँधी – मोहनदास करमचन्द गाँधी

जन्म – 2 अक्टूबर 1869 पोरबन्दर।  
मृत्यु – 30 जनवरी 1948 (नाथूराम गोडसे)

पाँच प्रमुख सिद्धान्त :-

(1) सत्य (2) अहिंसा (3) अपरिग्रह (4) निर्भीकता (5) सत्याग्रह।

## गाँधी जी के शिक्षा-दर्शन के सिद्धान्त :-

1. बालक का सर्वांगीण विकास हो।
2. आदर्श नागरिक के गुणों का विकास।
3. 7-14 वर्ष तक नि: शुल्क व अनिवार्य शिक्षा।
4. शिक्षा का माध्यम मातृभाषा।
5. शिक्षा हस्त कौशल से जुड़ी।

## गाँधी जी के अनुसार शिक्षा का अर्थ :-

"सच्ची शिक्षा वही है, जो बालकों की आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक शक्तियों को व्यक्त एवं प्रोत्साहित करे।" — गाँधी जी

## शिक्षा के उद्देश्य

(1) तात्कालिक उद्देश्य (2) शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य।

1. सन्तुलित व्यक्तित्व का उद्देश्य।
2. जीविकोपार्जन का उद्देश्य।
3. नैतिक / आध्यात्मिक विकास का उद्देश्य।
4. सांस्कृतिक उद्देश्य।
5. मुक्ति का उद्देश्य।

## गाँधी जी के शिक्षा-दर्शन की विशेषताएँ :-

1. 'करके सीखना' पर बल।
2. 'प्रकृतिवाद' और 'प्रयोजनवाद' का सहारा।
3. शारीरिक / चारित्रिक / बौद्धिक विकास के समर्थक।
4. शिक्षा संस्कृति की नींव।
5. व्यक्तित्व का विकास।
6. सहयोग / पारस्परिक प्रेम / निष्ठा / सहनशीलता / मिलनसारिता / आदि गुणों का विकास।

End

Scanned with CamScanner